NEWS CLIPPING: 08.10.2020

THE TRIBUNE

VARSITY ISSUES ADMISSION ADVISORY

Faridabad: Keeping in view the commencement of the admission process for various engineering programmes, JC Bose University of Science and Technology, YMCA, Faridabad, has issued an advisory for all aspiring students seeking admission to the colleges/institutes affiliated to the university. The university has advised the students and their parents to check the affiliation status, including courses and intake and necessary approvals of the college before taking admission in any of such college. Students and parents may go through the university website at https://jcboseust.ac.in/affiliation where link for the list of affiliated colleges with their current affiliation status has been provided. Further, the university has made it clear that the admission to all undergraduate engineering programmes in the university are done through centralised counselling conducted by the Haryana State Technical Education Council Society under the Haryana Technical Education Department (HSTES) based on the ranks secured in JEE Main 2020. The first online counselling by HSTES will begin from October 9. For further updates, the students are advised to visit www.hstes.org.in regularly.

The Tribune Thu, 08 October 2020 https://epaper.tribuneind

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

THE PIONEER

विश्वविद्यालय को 'पेपरलेस' बनाने की ओर कदम बढ़ाया

ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दिये निर्देश

कैंपस को पूरी तरह से पेपरलेस बनाने की दिशा में काम करने का दिये निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। फरीदाबाद

वाईएमसीए स्थित जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने बुधवार को संबंधित अधिकारियों को विश्वविद्यालय में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने और कैंपस को पूरी तरह से पेपरलेस बनाने की दिशा में काम करने का निर्देश दिये।

कुलपति विश्वविद्यालय पुनर्गठित डिजिटल प्रकोष्ठ की पहली बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, निदेशक डिजिटल प्रकोष्ठ डॉ. नीलम दूहन और प्रकोष्ठ के अन्य सदस्य बैठक में उपस्थित थे।

कुलपति ने विश्वविद्यालय के डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) को विकसित करने में डिजिटल प्रकोष्ठ के प्रयासों को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान शिक्षण कार्यों को सुचारू रखने में डीएलएमएस की अहम भूमिका रही। डॉ. दूहन ने अवगत कराया कि डीएलएमएस सफलतापूर्वक जांच की जा रही है। इसका उपयोग नियमित रूप से ऑनलाइन कक्षाओं के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिस्टम में फोटो कैप्चरिंग तकनीक का उपयोग करते हुए नई सुविधाओं को जोड़ा और बढ़ाया जा रहा है ताकि इसका उपयोग भविष्य में ऑनलाइन परीक्षाओं के आयोजन के लिए किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रकोष्ठ की भविष्य में ऑनलाइन प्रैक्टिकल आयोजित करने के लिए वर्चुअल लैब विकसित करने की भी योजना है।

डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने डीएलएमएस को एक ऐसे अभिनव उत्पाद के रूप में विकसित करने की सलाह दी, जिसे अन्य विश्वविद्यालयों को उनकी ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग से संबंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदान किया जा सकता है। निदेशक डिजिटल सेल ने कुलपति को डीएलएमएस को तकनीकी रूप से व्यवहारिक एक सफल प्रणाली के रूप में विकसित करने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान डॉ. दूहन ने विश्वविद्यालय द्वारा की गई विभिन्न डिजिटल पहलों से भी अवगत कराया, जिसमें ई-लाइब्रेरी पोर्टल का विकास, आईआईआरएस इसरो, स्वयं प्रभा और स्वयं लोकल चैप्टर के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए ई-लर्निंग सुविधा, कक्षाओं में डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड, डिजिटल नोटिस बोर्ड इत्यादि शामिल हैं।

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

PUNJAB KESARI

‘विश्वविद्यालय को पेपरलेस बनाने की दिशा में करें काम’

■ ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए दिए निर्देश

फरीदाबाद, 7 अक्तूबर (पूजा शर्मा): जे.सी. बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए, फरीदाबाद के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने आज संबंधित अधिकारियों को विश्वविद्यालय में ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने और कैंपस को पूरी तरह से पेपरलेस बनाने की दिशा में काम करने का निर्देश दिये।

कुलपति विश्वविद्यालय आज यहां पुनर्गठित डिजिटल प्रकोष्ठ की पहली बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक में कुलसचिव डॉ. एस. के. गर्ग, निदेशक डिजिटल प्रकोष्ठ डॉ. नीलम दूहन और प्रकोष्ठ के अन्य सदस्य बैठक में उपस्थित थे। कुलपति ने विश्वविद्यालय के डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) को विकसित करने में डिजिटल प्रकोष्ठ के प्रयासों को सराहनीय बताया। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान शिक्षण कार्यों को सुचारू रखने में डीएलएमएस की अहम भूमिका रही। डॉ. दूहन ने अवगत कराया कि डीएलएमएस सफलतापूर्वक जांच की जा रही है और इसका उपयोग नियमित रूप से आनलाइन कक्षाओं के लिए किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सिस्टम में फोटो कैप्चरिंग तकनीक का उपयोग करते हुए नई सुविधाओं को जोड़ा बढ़ाया जा रहा है ताकि इसका उपयोग भविष्य में ऑनलाइन परीक्षाओं के आयोजन के लिए किया जा सके। उन्होंने बताया कि प्रकोष्ठ की भविष्य में ऑनलाइन प्रैक्टिकल आयोजित करने के लिए वर्चुअल लैब विकसित करने की भी योजना है। डिजिटल लर्निंग को बढ़ावा देने के लिए डिजिटल प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने डीएलएमएस को एक ऐसे अभिनव उत्पाद के रूप में विकसित करने की सलाह दी, जिसे अन्य विश्वविद्यालयों को उनकी ऑनलाइन टीचिंग-लर्निंग से संबंधित जरूरतों को पूरा करने के लिए प्रदान किया जा सकता है। निदेशक डिजिटल सेल ने कुलपति को डीएलएमएस को तकनीकी रूप से व्यवहारिक एक सफल प्रणाली के रूप में विकसित करने का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान डॉ. दूहन ने विश्वविद्यालय द्वारा की गई विभिन्न डिजिटल पहलों से भी अवगत कराया, जिसमें ई-लाइब्रेरी पोर्टल का विकास, आईआईआरएस इसरो, स्वयं प्रभा और स्वयं लोकल चैप्टर के माध्यम से विद्यार्थियों एवं शिक्षकों के लिए ई-लर्निंग सुविधा, कक्षाओं में डिजिटल इंटरएक्टिव बोर्ड, डिजिटल नोटिस बोर्ड इत्यादि शामिल हैं।

बैठक की अध्यक्षता करते हुए कुलपति प्रो. दिनेश कुमार। (छाया: एस शर्मा)

पंजाब केसरी ई-पेपर
Thu,08 October 2020
Edition: faridabad kesari, Page no. 4

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

THE PIONEER

विद्यार्थियों के लिए जारी की एडवाइजरी

फरीदाबाद। जेसी बोस विश्वविद्यालय ने विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए शुरू हो रही दाखिला प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विश्व विद्यालय से संबद्ध कॉलेज एवं संस्थानों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विश्वविद्यालय ने विद्यार्थियों एवं उनके अभिभावकों को सलाह दी है कि वे किसी भी कॉलेज में दाखिला लेने से पूर्व कालेज की संबद्धता स्थिति, स्वीकृत पाठ्यक्रम एवं सीटों की संख्या सहित अन्य आवश्यक स्वीकृतियों की जांच कर लें। इस संबंध में विद्यार्थी तथा उनके अभिभावक विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://jcboseust.ac.in/affiliation पर अवलोकन कर सकते हैं जहां संबद्ध कॉलेजों की सूची के लिए उनकी वर्तमान संबद्धता की स्थिति को दर्शाया गया है।

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

PUNJAB KESARI

जे.सी. बोस वि.वि. ने जारी की एडवाइजरी

फरीदाबाद, 7 अक्तबर (पूजा शर्मा): जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के लिए शुरू हो रही दाखिला प्रक्रिया को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय से संबद्ध कॉलेज एवं संस्थानों में दाखिले के इच्छुक विद्यार्थियों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विश्वविद्यालय ने सलाह दी है कि वे किसी भी कॉलेज में दाखिला लेने से कालेज की संबद्धता स्थिति एवं सीटों की संख्या की जांच कर लें। कैंपस में विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले को लेकर स्पष्ट किया है कि स्नातक इंजीनियरिंग में दाखिला तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत तकनीकी शिक्षा परिषद सोसायटी द्वारा जेईई परीक्षा में प्राप्त अंकों की रैंकिंग के आधार पर केंद्रीयकृत काउंसलिंग के माध्यम से किया जाता है।

पंजाब केसरी ई-पेपर Thu, Editi

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

HINDUSTAN

दाखिले से पहले कॉलेज की मान्यता जांच जरूरी

फरीदाबाद | कार्यालय संवाददाता

जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, वाईएमसीए ने विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले के इच्छुक छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है। विश्वविद्यालय ने छात्रों और उनके अभिभावकों को सलाह दी है कि वे किसी भी कॉलेज में दाखिला लेने से पहले कॉलेज की संबद्धता, स्वीकृत पाठ्यक्रम एवं सीटों की संख्या जैसी जानकारी की जांच जरूर कर लें।

इसके साथ ही किसी आवश्यक स्वीकृतियों की जांच भी कर लें। इस बारे में विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर भी संबद्ध कॉलेजों की सूची जारी कर उनके बारे में पूरी जानकारी दी गई है। वहीं , कैंपस में विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले को लेकर विश्वविद्यालय ने स्पष्ट किया है कि विश्वविद्यालय में सभी स्नातक इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिला हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के तहत हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा परिषद सोसायटी की ओर से किया जाएगा। दाखिला जेईई परीक्षा में प्राप्त अंकों की रैंकिंग के आधार पर केंद्रीयकृत काउंसलिंग के माध्यम से किया जाता है।

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

NAVBHARAT TIMES

08/10/2020 NBT

पेपरलेस बनाने की दिशा में यूनिवर्सिटी में शुरू हुआ काम

एनबीटी न्यूज, फरीदाबादः जेसी बोस यूनिवर्सिटी को पेपरलेस बनाने की दिशा में यूनिवर्सिटी प्रबंधन ने काम शुरू कर दिया है। बुधवार को यूनिवर्सिटी में दोबारा से गठित किए गए डिजिटल प्रकोष्ठ की मीटिंग हुई। इस दौरान कुलपति प्रफेसर दिनेश कुमार ने ई ऑफिस सॉफ्टवेयर को प्रभावी तरीके से लागू करने के लिए जरूरी कदम उठाने व कैंपस को पूरी तरह से पेपरलेस बनाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। कुलपति ने यूनिवर्सिटी के डिजिटल लर्निंग मैनेजमेंट सिस्टम (डीएलएमएस) को विकसित करने में डिजिटल प्रकोष्ठ के प्रयासों की सराहना की। उन्होंने कहा कि कोरोना महामारी के दौरान शिक्षण कार्यों को सुचारू रखने में डीएलएमएस की अहम भूमिका रही। निदेशक डिजिटल प्रकोष्ठ डॉ. नीलम दूहन ने बताया कि डीएलएमएस सफलतापूर्वक जांच की जा रही है और इसका उपयोग नियमित रूप से ऑनलाइन कक्षाओं के लिए किया जा रहा है। सिस्टम में फोटो कैप्चरिंग तकनीक का उपयोग करते हुए नई सुविधाओं को जोड़ा जा रहा है।

दाखिला लेने से पहले जांच लें कॉलेज की स्थिति

दाखिला लेते समय स्वीकृत कोर्स व सीटों की संख्या देखने को भी कहा

एनबीटी न्यूज, फरीदाबाद

जेसी बोस यूनिवर्सिटी से संबंधित कॉलेजों व संस्थानों में इंजीनियरिंग के विभिन्न कोर्सेज में दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई है। ऐसे में यूनिवर्सिटी ने छात्रों के लिए एडवाइजरी जारी की है। यूनिवर्सिटी ने छात्रों व उनके अभिभावकों को सलाह दी है कि वे किसी भी कॉलेज में दाखिला लेने से पहले कॉलेज की स्थिति, स्वीकृत कोर्स व सीटों की संख्या के साथ अन्य आवश्यक चीजों की जांच कर लें।

इस संबंध में छात्र व उनके अभिभावक यूनिवर्सिटी की वेबसाइट https://jcboseust.ac.in/affiliation पर क्लिक कर सकते हैं। इसके अलावा कैंपस में विभिन्न इंजीनियरिंग कोर्सेज में दाखिले को लेकर यूनिवर्सिटी ने स्पष्ट किया है कि यूनिवर्सिटी में सभी स्नातक इंजीनियरिंग कोर्सेज में दाखिला हरियाणा तकनीकी शिक्षा विभाग के अंतर्गत हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा परिषद सोसायटी द्वारा जेईई परीक्षा में प्राप्त अंकों की रैंकिंग के आधार पर केंद्रीयकृत काउंसलिंग के माध्यम से किया जाता है। हरियाणा राज्य तकनीकी शिक्षा परिषद सोसायटी की पहली ऑनलाइन काउंसलिंग 9 अक्टूबर से शुरू होगी। इस संबंध में विस्तृत जानकारी परिषद की वेबसाइट www.hstes.org.in से प्राप्त की जा सकती है।

जेसी बोस यूनिवर्सिटी ने छात्रों के लिए जारी की एडवाइजरी

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

AMAR UJALA

Amar ujala 8/10/20

दाखिले से पहले विवि से संबद्धता जांच लें युवा

फरीदाबाद। जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय(विवि) ने विभिन्न इंजीनियरिंग पाठ्यक्रमों में दाखिले से पहले युवाओं को विवि से संबद्ध कॉलेजों व संस्थानों की स्थिति जांचने की एडवाइजरी जारी की है। विश्वविद्यालय ने युवाओं को सलाह दी है कि कॉलेज में दाखिला लेने से पहले विवि से संबद्धता स्थिति, स्वीकृत पाठ्यक्रम एवं सीटों की संख्या सहित अन्य आवश्यक स्वीकृतियों की जांच कर लें। इस संबंध में विद्यार्थी तथा उनके अभिभावक विश्वविद्यालय की वेबसाइट https://jcboseust.ac.in/affiliation पर अवलोकन कर सकते हैं। संबद्ध कॉलेजों की सूची के लिए उनकी वर्तमान संबद्धता की स्थिति को दर्शाया गया है। ब्यूरो

NEWS CLIPPING: 08.10.2020

DAINIK BHASKAR

विश्वविद्यालय को 'पेपरलेस' बनाने की दिशा में करें काम: कुलपति

फरीदाबाद| जेसी बोस विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. दिनेश कुमार ने अधिकारियों को ई-ऑफिस सॉफ्टवेयर के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए आवश्यक कदम उठाने और कैंपस को पूरी तरह से पेपरलेस बनाने की दिशा में काम करने के निर्देश दिए। बुधवार को पुनर्गठित डिजिटल प्रकोष्ठ की पहली बैठक को संबोधित कर रहे थे। इसमें कुलसचिव डॉ. एसके गर्ग, निदेशक डिजिटल प्रकोष्ठ डॉ. नीलम दूहन और प्रकोष्ठ के अन्य सदस्य मौजूद थे।